JAGRAN CITY PAGE III

नैक ए प्लस प्लस ग्रेड से लेकर कई टाप रैंकिंग में बनाई जगह

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के लिए साल 2022 का साफर खुशी और गम की तरह रहा। अपने 103 साल के इतिहास में पहली बार इस साल नैक मूल्यांकन में ए प्लस प्लस ग्रेड से लेकर क्यूएस एशिया, टाइम्स हायर एजुकेशन, सिमागो, नेचर इंडेक्स सहित टाप रैंकिंग में जगह बनाने में उपलब्धि हासिल कर देश में उपलब्धि हासिल की। वहीं, शिक्षक द्वारा काशी विश्वनाथ मंदिर पर विवादित टिप्पणी करने और छात्र द्वारा शिक्षक को थप्पड़ मारने की घटना को लेकर कई महीनों तक सुर्खियों में भी रहा। हालांकि बड़ी संख्या में अपने विद्यार्थियों के प्लेसमेंट व सुविधाएं बढ़ाने में विश्वविद्यालय ने बेहतर करके भी दिखाया है।

- शिक्षकों की गैरजिम्मेदार शिक्षक छात्र अनुपात का सुधारा गणित
- काशी विश्वनाथ मंदिर पर विवादित टिप्पणी से सुर्खियों में रहा लवि

लवि को पिछली बार नैक मूल्यांकन में बी ग्रेड मिला था। इस बार टाप ग्रेड मिले, इसके लिए कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने ज्वाइन करने के साथ ही व्यवस्थित ढंग से तैयारियां शुरू कर दी थीं। तीन साल की कड़ी मेहनत और प्लानिंग के साथ किए गए प्रयास से जुलाई में नैक का ए प्लस प्लस ग्रेड मिल गया, जो विश्वविद्यालय के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि रही, क्योंकि 103 साल में कभी यह ग्रेड नहीं मिला था।

शिक्षक छात्र अनुपात में भी सुधार : विश्वविद्यालय में शिक्षकों के बहुत से पद खाली होने की वजह से छात्र शिक्षक अनुपात भी बिगड़ा था। इसके लिए 155 शिक्षकों की नियुक्ति करके इसे दुरुस्त किया गया। अब छात्रों की पढ़ाई के लिए शिक्षकों की कमी नहीं है। विश्वविद्यालय ने इस साल 37 कर्मचारियों को नियमित करने के साथ 41 को प्रोन्नति भी दी गई। वर्ष 2022 विश्वविद्यालय के शिक्षकों के लिए भी खास रहा। यहां बहुत से ऐसे शिक्षक थे, जो काफी समय से प्रमोशन का इंतजार कर रहे थे। कुलपति ने 197 शिक्षकों को प्रमोशन का तोहफा दिया।

विदेशी विद्यार्थियों का बढ़ा रुझान : नैक ए प्लस प्लस ग्रेड आने के बाद इस बार लवि चर्चित हो गया। इसी वजह से प्रवेश के लिए विद्यार्थियों का खास रुझान भी रहा। विश्वविद्यालय के आंकड़ों की मानें तो 2019-20 में जहां 45,339 आवेदन के सापेक्ष 7610 प्रवेश हुए थे। वहीं, 2022-23 में 74,943 आवेदन और 8,589 प्रवेश हुए हैं।

2022 की अन्य उपलब्धियां

- क्यूएस यूनिवर्सिटी रैंकिंग पार एशिया में उछ के मात्र विश्वविद्यालय के रूप में शामिल
- टाइम्स हायर एजुकेशन रैंकिंग (वर्ल्ड), टाइम्स हायर एजुकेशन रैंकिंग एशिया), नेचर इंडेक्स सहित नौ रैंकिंग में जगह बनाई।
- स्टेनफोर्ड विवि की ओर से जारी देश के दो फीसद टाप वैज्ञानिकों की सूची में लवि के पांच शिक्षकों के भी नाम।
- छात्रा काजल शर्मा ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में कांस्य पदक, इंडियन ग्रैंड प्री में स्वर्ण पदक, आल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी में स्वर्ण पदक जीता
- लवि के 700 से ज्यादा विद्यार्थियों को प्लेसमेंट
- वीसी केयर फंड से 52 आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को मदद ।

यही नहीं, विदेशी छात्र-छात्राओं की ओर से आवेदन की संख्या 2019-20 में जहां नौ देशों से सिर्फ 60 आवेदन की थी। 2022-23 में 15 देशों से 825 आवेदन आए।

डिग्री कालेजों के शिक्षकों को पीएचडी की सुविधा : काफी समय से डिग्री कालेजों के शिक्षक पीएचडी की मांग कर रहे थे। इस साल लवि ने उनकी मांग को पूरा कर दिया। उन्हें पीएचडी करने और कराने की मंजूरी दे दी गई।

विद्यार्थियों के प्लेसमेंट पर करेगा फोकस

उम्मीदें 2023

- एनआइआरएफ, वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में जगह बनाना।
- दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से आनलाइन पाठ्यक्रम शुरू करना
- विदेशी छात्रों की संख्या में वृद्धि, प्लेसमेंट और उद्यमिता विकास पर फोकस
- सीतापुर के नए कालेज में वोकेशनल और स्किल डेवलपमेंट के कोर्सों की शुरुआत
- छात्र सुविधाओं में बढ़ोतरी

जासं, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय ने वर्ष 2022 में कई उपलब्धियां हासिल करने के बाद अब नए साल 2023 की भी योजना बना ली है। विश्वविद्यालय की प्रमुख योजना ज्यादा से ज्यादा छात्र-छात्राओं का प्लेसमेंट कराने से लेकर एनआइआरएफ और वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में जगह बनाना है। इस पर काम भी शुरू कर दिया गया है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय बताते हैं कि नैक ए प्लस प्लस अंक के बाद बड़ी संख्या में कंपनियां लवि के छात्र-छात्राओं के चयन के लिए आ रही हैं। ओएनजीसी सहित कई कंपनियों ने बड़े पैकेज का आफर भी किया है। अभी तक 700 से ज्यादा विद्यार्थियों का प्लेसमेंट हो चुका है। 2023 में हमारा पूरा फोकस ज्यादा से ज्यादा छात्र-छात्राओं के कैंपस प्लेसमेंट पर रहेगा। लक्ष्य है सभी को उनकी योग्यता के अनुसार जाब मिले। इसके अलावा नेशनल इंस्टीट्यूशन रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) और वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में विश्वविद्यालय को श्रेष्ठ स्थान मिले, उसकी तैयारी की जा रही है।

वीसी डिनर विथ टापर्स की शुरुआत

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने छात्र-छात्राओं से रूबरू होने के लिए काफी विथ वीसी की शुरुआत की थी। अब नए साल से वीसी डिनर विद टापर्स कार्यक्रम शुरू करेंगे। कुलपति ने बताया कि इसमें परास्नातक प्रथम वर्ष के टापर्स के साथ डिनर करने के साथ विश्वविद्यालय के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

कृषि संकाय की स्थापना

नहीं हो सकी इसकी शुरुआत : लवि ने सीतापुर में वोकेशनल एवं स्किल डेवलपमेंट के लिए कालेज की शुरुआत की योजना बनाई थी। इसके लिए भवन निर्माण लगभग पूरा हो गया। कई कोर्स भी तैयार कर लिए गए। लेकिन शासन की ओर से अब तक संचालन की मंजूरी न मिलने से इसकी शुरुआत नहीं हो सकी।

स्ववित्तपोषित कोर्सों के शिक्षकों के लिए भी विश्वविद्यालय ने वेतनवृद्धि से लेकर उनकी सेवा की गाइडलाइन बनाकर दी। विश्वविद्यालय ने पहली बार शिक्षकों के शोध पेटेंट के लिए पालिसी बनाकर भी बड़ा काम किया, क्योंकि अभी तक कोई पालिसी न होने से शिक्षकों को पेटेंट कराने में समस्या आती थी।

TOI PAGE 3

Prof AK Rai likely to get extension as LU VC...

...Till Raj Bhawan Finds A Suitable Successor

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: The three-year term of the Lucknow University (LU) vice-chancellor (VC) Prof AK Rai ended on Thursday, but there was no official announcement from the Raj Bhawan about the new incumbent or his extension till a permanent appointment is made

Speculation was rife amid academic circles that Prof Rai can be given an extension on Friday till Raj Bhawan makes the final choice as to who will be the new LU VC and

some LU teachers and employees started congratulating Prof Rai on social media anticipating that he will get at least a three-month extension. However, there was no official confirmation from the Raj Bhawan.

The governor, who is also chancellor of the state universities, appoints VCs. The chancellor office constitutes a three member search committee comprising a member each nominated by governor, university's executive council and chief justice of the high court. The search committee recommends 3-5 names to the chancellor from whom she/he appoints one.

However, in LU's case delay occurred because Prof Vinay Kumar Pathak who was nominated by the governor earlier had to be replaced after an FIR on corruption charges was lodged against him by the STF.

"Its a sensitive issue and Raj Bhawan does not want to rush into things. The new search committee has interacted with several candidates and the process is expected to be complete on Friday, but before making the final announcement governor/chancellor Ananditben Patel will scrutinise every name recommended to her. The final decision may take a few more days and till then Prof Rai can get an extension. The final order will be issued on Friday," said a senior official in the governor house.

Former LU prof's novel brings alive rich history of Lucknow

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Pained by the way Lucknow's history was incorrectly mentioned by present-day historians,

Lucknow University Urdu department's retired **Prof Anis Ashfaq** came up with an Urdu novel named 'Khwab Saraab' that got him the Sahitya Akademi Award, 2022. Published in 2017, the novel talks about the rich history and legacy of the city and how the original Lucknow is getting lost and has deteriorated. The protagonist in the novel, while narrating a story, takes one around the city talking about the historical relevance of monuments, temples, mosques and other important places which he comes across. "The history of Lucknow is like a best-selling product for present-day historians who present wrong facts and false stories of the Nawabi era just to get a market. Since I come from a family whose generations lived in Lucknow and am from a royal family, it pains to hear and read distorted history," said Prof Anis.

He said, "This is why I came up with this novel that has been translated into English by a renowned American translator Arif Ansari with the name 'Dream Mirage'. I have also written two more novels, one is 'Dukhyare' (sufferers) and the other is 'Pari Naz aur Parinde'. The three novels are a trilogy about Lucknow." Prof Anis has been awarded over two dozen awards and has written 25 books and over 300 articles.

DAINIK JAGRAN PAGE 1

भारतीय सांख्यिकी सेवा परीक्षा में गोंडा के अस्तित्व बने टापर

जासं, लखनऊ: संघ लोक सेवा आयोग की ओर से बुधवार देर शाम भारतीय सांख्यिकी सेवा (आइएसएस) परीक्षा के परिणाम जारी किए गए। इसमें लखनऊ विश्वविद्यालय के दो पूर्व विद्यार्थियों ने बाजी मारी है। अस्तित्व रंजन श्रीवास्तव ने देश में पहली रैंक हासिल की। वहीं, आलमबाग निवासी हर्षा चड्ढा को 11वीं और राजाजीपुरम की अवंतिका निषाद को 23वीं रैंक मिली है।

गोंडा के विष्णुपुरी कालोनी निवासी अस्तित्व ने 92.2 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। उसके बाद लखनऊ विश्वविद्यालय से 2018 में बी.एससी. (गणित, सांख्यिकी) से किया। चार गोल्ड मेडल हासिल किए। अस्तित्व ने 2020 में बीएचयू से एम.एससी. करने के बाद एक साल ब्रेक लेकर तैयारी की। रिजर्व बैंक में ग्रेड बी आफिसर के लिए जुलाई में चयन हो गया, लेकिन ज्वाइन न करके भारतीय सांख्यिकी सेवा के लिए जून में लिखित परीक्षा दी। 11वीं रैंक हासिल करने वाली हर्षा चड्ढा को यूपी बोर्ड की 12वीं में 10वीं रैंक मिली थी। 2017 में नवयुग कालेज से बीएससी करने के बाद लवि से हर्षा ने 2019 में एम.एससी. सांख्यिकी से किया। राजाजीपुरम की अवंतिका निषाद ने 23वीं रैंक हासिल की है। 2015 में 95.8 प्रतिशत अंकों के साथ 12वीं करने के बाद अवंतिका ने नवयुग कालेज से 2018 में बी.एससी. किया। फिर डा. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय से एम.एससी. की। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक राय ने अस्तित्व रंजन श्रीवास्तव और हर्षा चड्ढा को शुभकामना दी है।

अस्तित्व रंजन श्रीवास्तव ● सौ. स्वयं

हर्षा चड्ढा और अवंतिका निषाद ● सौ. स्वयं

- गोंडा के विष्णुपुरी कालोनी के रहने वाले हैं अस्तित्व श्रीवास्त
- आलमबाग की रहने वाली हर्षा चड्ढा को मिली 11वीं रैंक
- राजाजीपुरम की अवंतिका निषाद को हासिल हुई 23वीं रैंक

संबंधित खबर » जागरण सिटी III

i-NEXT PAGE 5

प्रो. आलोक राय बने रहेंगे वीसी

राजभवन की ओर से लखनऊ विश्वविद्यालय को भेजा गया पत्र

माई सिटी रिपोर्टर

LUCKNOW (29 Dec): लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय अग्रिम आदेशों अथवा नई नियुक्ति होने तक बतौर कुलपति कार्य करते रहेंगे। शुक्रवार को उनके कार्यकाल के तीन साल पूरे होने वाले हैं। ऐसे में गुरुवार देर शाम राजभवन की ओर से इस संबंध में विश्वविद्यालय के लिए आदेश जारी किया गया। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने भी इसकी पुष्टि की है।

आज तीन साल हुए पूरे

दरअसल, 30 दिसंबर 2019 को बीएचयू के प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में कार्यभार ग्रहण किया था. तीन साल में उन्होंने विश्वविद्यालय को सुधारने में काफी कार्य किए, इसमें नैक ए प्लस प्लस ग्रेड हो या फिर पहली बार नई शिक्षा नीति लागू करना. शुक्रवार को उनके कार्यकाल के तीन साल पूरे हो रहे हैं. ऐसे में कई दिनों से कयायद चल रही थी कि उनका सेवा विस्तार होगा या फिर कोई नया कुलपति आएगा। दिन भर चली अटकलों के बाद शाम को राजभवन की ओर से आदेश आ गया, जिसमें कहा गया है कि अग्रिम आदेशों या नई नियुक्ति होने तक बतौर कुलपति कार्य करते रहेंगे। इसकी सूचना कुलसचिव देर शाम लखनऊ विश्वविद्यालय को मिली।

शुक्र रात से बराबर हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के नैगेवेटिव शिपाल के प्रो. आलोक कुमार राय ने 30 दिसंबर 2019 को लखनऊ विवि में बतौर कुलपति ज्वाइन किया था। उनकी नियुक्ति तीन साल के लिए की गई थी। कुलसचिवों को उनके कार्यकाल के तीन साल पूरे हो रहे थे। यहीं अपने कार्यकाल में उन्होंने अन्य बोर्डों में बेहतर काम के साथ ही राष्ट्रीय मूल्यांकन परिषद (नैक) में विश्वविद्यालय को ए प्लस प्लस ग्रेडिंग दिलाने के कार्य में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा हालांकि इसके बाद इस बात को लेकर चर्चा तेज हो गई थी कि उन्हें दोबारा कुलपति के रूप में काम करने का मौका मिलेगा।

हालांकि पूर्व में चयन के लिए आवेदन मांगे गए थे। चर्चा के अनुसार, इसकी खानिक के बाद कुलपति को प्रोटोकाल भी हुए। बिना किसी को नियमित कुलपति के रूप में तैनाती की जगह प्रो. राय को ही अगले आदेश या नए कुलपति की नियुक्ति होने तक कुलपति बने रहने की सूचना दी गई थी कि इन्हें दोबारा कुलपति के रूप में चयन नहीं मिलेगा।

यहीं कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने काफी कि विश्वविद्यालय को नैक ए प्लस प्लस ग्रेडिंग दिलाने के कार्य में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा नेशनल इंस्टीट्यूशन रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) और वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में विश्वविद्यालय को श्रेष्ठ स्थान मिले, उसकी तैयारी की जा रही है।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि के पूर्व छात्र ने भारतीय सांख्यिकी सेवा में किया टॉप

संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में अस्तित्व रंजन श्रीवास्तव को पहली रैंक, हर्षा को 11वीं तो अवंतिका को 23वीं रैंक

LUCKNOW (29 Dec): लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय अग्रिम आदेशों अथवा नई नियुक्ति होने तक बतौर कुलपति कार्य करते रहेंगे। शुक्रवार को उनके कार्यकाल के तीन साल पूरे होने वाले हैं। ऐसे में गुरुवार देर शाम राजभवन की ओर से इस संबंध में विश्वविद्यालय के लिए आदेश जारी किया गया। कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने भी इसकी पुष्टि की है।

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों ने एक बार फिर अपनी मेधा का परचम लहराया है। यहां के एक पूर्व छात्र ने भारतीय सांख्यिकीय सेवा (आईएसएस) में टॉप किया है। यहीं एक छात्रा को अखिल हिंदुस्तान स्तर पर 11वीं रैंक मिली है। इस पर विवि में खुशी का माहौल है।

संघ लोक सेवा आयोग की ओर से आयोजित भारतीय सांख्यिकी सेवा के परिणाम में लविवि के पूर्व छात्र अस्तित्व रंजन श्रीवास्तव ने पहली रैंक हासिल की है। अस्तित्व रंजन श्रीवास्तव विश्वविद्यालय के सांख्यिकी विभाग के छात्र रहे हैं।

इसी विभाग की हर्षा चड्ढा ने 11वीं रैंक हासिल की है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन ने दोनों को बधाई दी है। प्रो. राय ने कहा कि यह हमारे लिए भी गर्व की बात है।

सोचा नहीं था पहली रैंक मिलेगी

अस्तित्व रंजन मूल रूप से मोहा के रहने वाले हैं। उन्होंने अपनी इंटर की पढ़ाई यहां से पूरी करने के बाद लविवि से 2018 में बीएससी किया था। उन्हें गणित में सर्वाधिक अंक मिले थे। इसके बाद वे एमएससी किया। फिर आरबीआई में ग्रेड बी अधिकारी की परीक्षा में भी सफल हो गए। लेकिन ज्वाइन न करके भारतीय सांख्यिकी सेवा के लिए तैयारी की और पहली रैंक हासिल की। उन्होंने कहा कि मैंने सोचा नहीं था कि पहली रैंक मिलेगी। उन्होंने बताया कि परिणाम में सभी की इच्छाएं पूरी हुई हैं सौभाग्य मानता हूं। उन्होंने कहा कि मैंने लगातार तैयारी की, सफलता जरूरी मिलेगी।

कोविड के कारण चूक गई थी

अलायनबाग के रामनगर की निवासी हर्षा चड्ढा 10वीं में स्कूल टॉपर रही और इंटर में पूरी यूपी बोर्ड में 10वीं रैंक हासिल की थी। 2017 में नवयुग कन्या पीजी कालेज से बीएससी करने के बाद लविवि से सांख्यिकी में एमएससी किया। इसके बाद वे भारतीय सांख्यिकी सेवा की परीक्षा दी लेकिन कोविड के कारण चूक गई।

दोबारा 11वीं रैंक मिली है। वहीं सुश्रिता चड्ढा तिलिकाय और पिता भीरज प्रकाश की अपनी दुकान है। पिता पहाले ये कि मैं आईएएस बनूं लेकिन जब मैं कालेज गई तो मेरा रुझान मैथस में बढ़ा। हालांकि माता-पिता और शिक्षकों ने मेरा पूरा सहयोग व मार्गदर्शन किया। मैंने बिना तनाव के निर्धारित तैयारी की और कामियां दूर कर सफलता प्राप्त की।

तैयारी व धैर्य बनाए रखा

डॉ. सकुंतला मिश्रा पुनर्वास विवि की एमएससी अव्वल छात्रा रहीं हैं। इन्होंने भारतीय सांख्यिकीय सेवा में 23वां स्थान प्राप्त किया है। अवंतिका ने नवयुग कन्या पीजी कालेज से 2018 में बीएससी किया है। राजाजीपुरम निवासी अवंतिका के पिता भंडारण निगम और मां अनुराधा हैं। अवंतिका ने कहा कि मैंने निर्धारित तैयारी की और धैर्य बनाए रखा। भाई से बराबर मोटिवेशन मिला और अंतिम श्रम से सफलता प्राप्त की।

NBT PAGE 5

श्री-डी फॉर्म्युले से मिली सफलता की सांख्यिकी

लखनऊ यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र रहे अस्तित्व रंजन ने आईएसएस परीक्षा में हासिल की पहली रैंक

डिसीजन, डिवोशन और डिसिप्लिन को बताया सफलता का मूलमंत्र

जासं, लखनऊ

अस्तित्व रंजन श्रीवास्तव ने पहली रैंक हासिल करने वाले अखिल पत्र वोकालन की सफलेंग नोडा से हुई है। 30वें में सोमेंसी से पढ़ाई करते हुए 93 बीजीएस मिले थे 12वें में 92.2 प्रतिशत हासिल किया। यहां से 2015 में 2016 तक गणित और सांख्यिकी से बीएससी किया। यहां से 2019 में बीएससी सांख्यिकी में एमएससी किया। इसके बाद वे 2020 में बीएचयू से एमएससी किया। इसके बाद वे 2021 में बीएचयू से एमएससी किया। यहां से 2022 में बीएससी सांख्यिकी सेवा की तैयारी 2020 में शुरू की। पहले वे 2021 में पहली बार बैठे थे। 2020 में पहली बार आइएएस की परीक्षा दी, यहां पहली बार में 11वां स्थान। इसके बाद मैंने 11 वां रैंक हासिल किया। इसके पीछे की ओर आईएएस परीक्षा में 11वीं रैंक मिली। इसके बाद मैंने दो बार फिर तैयारी की है दोनों बार मुझे 11वां रैंक मिली। इसके पीछे मेरा मेहनत और लगन है। इसके पीछे मेरा मेहनत और लगन है। इसके बाद मैंने दो बार फिर तैयारी की है दोनों बार मुझे 11वां रैंक मिली। इसके पीछे मेरा मेहनत और लगन है। इसके पीछे मेरा मेहनत और लगन है। इसके पीछे मेरा मेहनत और लगन है